SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Medical Officer — MBBS (Rajasthan)

चिकित्सा अधिकारी राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा का प्रवेश-स्तर का चिकित्सक पद है — वह डॉक्टर जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा ज़िला चिकित्सालय में रोगियों को देखता है। काम में बाह्य रोगी विभाग...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-medical-officer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

चिकित्सा अधिकारी राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा का प्रवेश-स्तर का चिकित्सक पद है — वह डॉक्टर जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा ज़िला चिकित्सालय में रोगियों को देखता है। काम में बाह्य रोगी विभाग की चिकित्सा, आपातकालीन प्रकरण, प्रसव एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का क्रियान्वयन, तथा केंद्र के प्रशासन एवं अभिलेख का उत्तरदायित्व आता है। ग्रामीण राजस्थान में यह पद स्वास्थ्य-व्यवस्था की धुरी है: प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सा अधिकारी प्रायः कई गाँवों के लिए एकमात्र एम.बी.बी.एस. चिकित्सक होता है, और यह वही व्यक्ति होता है जिसके पास प्रसव, साँप के काटने, दुर्घटना अथवा तीव्र संक्रमण का प्रकरण सबसे पहले पहुँचता है। इस पद की एक बात आरंभ में ही जान लेने योग्य है और वह अधिकांश सरकारी पदों से भिन्न है: आयु-सीमा 22 से 45 वर्ष है — न्यूनतम भी अधिक, क्योंकि एम.बी.बी.एस. लंबी है, और अधिकतम भी अधिक।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	एम.बी.बी.एस. (सेवा नियम 1963, अनुसूची, कनिष्ठ पद क्रमांक 12)
भर्ती संस्था	चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — भर्ती की व्यवस्था चक्र के अनुसार भिन्न रही है; विज्ञप्ति देखें
आयु-सीमा	22 से 45 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को (सेवा नियम 1963) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	100% सीधी भर्ती — इस पद पर पदोन्नति से कोई नियुक्ति नहीं होती

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- चिकित्सा एवं रोगियों की सेवा में रुचि
- आपातकालीन एवं व्यावहारिक चिकित्सा
- सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं ग्रामीण सेवा

क्षमताएँ

- सीमित साधनों में निर्णय लेने की क्षमता
- लंबे एवं अनियमित घंटों की सहनशक्ति
- आपात स्थिति में स्थिर रहना

ज़रूरी कौशल

- सामान्य चिकित्सा — रोग-निदान एवं उपचार
- आपातकालीन एवं प्राथमिक आघात प्रबंधन
- स्वास्थ्य केंद्र का प्रशासन, औषधि भंडार एवं अभिलेख
- चिकित्सा-विधिक कार्य — पोस्टमार्टम, आयु-निर्धारण एवं प्रमाण-पत्र
- प्रसूति एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य
- टीकाकरण एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का क्रियान्वयन
- सामुदायिक स्वास्थ्य, महामारी नियंत्रण एवं सर्वेक्षण

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान (भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान) उत्तीर्ण करें।
2. नीट उत्तीर्ण करके एम.बी.बी.एस. में प्रवेश लें। यह साढ़े पाँच वर्ष का पाठ्यक्रम है जिसमें एक वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप सम्मिलित है — यही कारण है कि इस पद की न्यूनतम आयु 22 वर्ष रखी गई है, न कि 18 अथवा 21।
3. एम.बी.बी.एस. पूरी करके राजस्थान मेडिकल काउंसिल अथवा राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग में पंजीकरण कराएँ। पंजीकरण के बिना चिकित्सा-अभ्यास वैध नहीं है और भर्ती में उसकी अपेक्षा की जाती है।
4. आयु 22 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। ऊपरी सीमा 45 है, जो राजस्थान के अधिकांश पदों की 40 से अधिक है — यह उन चिकित्सकों के लिए व्यावहारिक रूप से महत्त्वपूर्ण है जिन्होंने पहले स्नातकोत्तर किया हो, निजी अभ्यास किया हो, अथवा कुछ वर्ष अन्यत्र काम किया हो।
5. भर्ती की व्यवस्था इस पद पर हर चक्र में एक जैसी नहीं रही है, इसलिए विज्ञप्ति ध्यान से पढ़ें — यह भी देखें कि उस चक्र में चयन प्रतियोगी परीक्षा से हो रहा है, साक्षात्कार से, अथवा किसी अन्य प्रक्रिया से।
6. यदि आगे विशेषज्ञ बनना है तो एन.ई.ई.टी.-पी.जी. की तैयारी सेवा के साथ-साथ चलाई जा सकती है; सेवा में रहते हुए स्नातकोत्तर करने के प्रावधान विभाग के नियमों में रहते हैं और वे इस पद की एक बड़ी विशेषता हैं।

प्रमुख परीक्षाएँ

- नियमों की अनुसूची में यह पद कनिष्ठ पदों के अंतर्गत क्रमांक 12 पर है और 100% सीधी भर्ती से भरा जाता है, योग्यता केवल एम.बी.बी.एस. — कोई अतिरिक्त शर्त, अनुभव अथवा विषय-सीमा नहीं। यह इस पृष्ठ पर दिए अनेक पदों से भिन्न है, जहाँ डिग्री के साथ कोई दूसरी शर्त भी जुड़ी रहती है।
- आयु-सीमा 22 से 45 वर्ष है और यह दोनों सिरों पर असामान्य है। न्यूनतम 22 इसलिए है कि एम.बी.बी.एस. इंटर्नशिप सहित साढ़े पाँच वर्ष की होती है और उससे पहले कोई पात्र हो ही नहीं सकता। अधिकतम 45 राजस्थान के अधिकांश पदों की 40 से पाँच वर्ष अधिक है — इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि निजी अभ्यास अथवा स्नातकोत्तर में वर्ष बिता चुके चिकित्सक के लिए यह द्वार लंबे समय तक खुला रहता है।

- इसी अनुसूची में क्रमांक 13 पर एक और पद है जिसे यह परियोजना खोज नहीं पा रही थी: "चिकित्सा अधिकारी (दंत)" — 100% सीधी भर्ती, योग्यता बी.डी.एस.। जिसे "डेंटल सर्जन" के नाम से खोजा जा रहा था वह यही पद है। बी.डी.एस. करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह महत्त्वपूर्ण जानकारी है, क्योंकि "डेंटल सर्जन" नाम से खोजने पर यह पद नहीं मिलता।
- इस पद के बारे में एक बात इस परियोजना के अपने अभिलेख से दर्ज की जा रही है। यह पद लंबे समय तक "अपुष्ट" के रूप में दर्ज रहा, क्योंकि इसे आयोग की विज्ञप्ति-नामों की सूची में खोजा गया था। 19 अगस्त को इसी आधार पर छह पद "अनुपस्थित" घोषित किए गए थे; उनमें से पाँच वास्तव में मौजूद हैं और सेवा नियमों में स्पष्ट रूप से दर्ज हैं। किसी सूची में नाम न मिलना पद के न होने का प्रमाण नहीं है।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।
- अनुसूची में दो और पद हैं जो इस परियोजना की सूची में कभी थे ही नहीं। खाद्य विश्लेषक (फ़ूड एनालिस्ट) — 100% सीधी भर्ती, योग्यता खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा नियम 2011 के अंतर्गत निर्धारित। और नैदानिक मनोवैज्ञानिक (क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट) — 100% सीधी भर्ती, योग्यता नैदानिक मनोविज्ञान में एम.फिल. अथवा पीएच.डी. सहित एम.एससी./एम.ए.। मनोविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए दूसरा पद विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि राज्य सेवा में उनके लिए स्पष्ट पद कम ही दिखते हैं।
- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government medical colleges of Rajasthan — SMS Jaipur, Jodhpur, Bikaner, Ajmer, Udaipur, Kota and the newer district colleges — राज्य भर में (https://rajswasthya.rajasthan.gov.in)
- All India Institute of Medical Sciences, Jodhpur — जोधपुर, राजस्थान (https://aiimsjodhpur.edu.in)
- Rajasthan University of Health Sciences — the affiliating university — जयपुर, राजस्थान (https://www.ruhsraj.org/)
- Government senior secondary schools — Class 12 with biology — हर ब्लॉक में

ऑनलाइन

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://rajswasthya.rajasthan.gov.in/)
- NEET — the entrance for MBBS — राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (https://neet.nta.nic.in/)
- National Medical Commission — recognised colleges and registration — भारत सरकार (https://www.nmc.org.in/)
- National Health Mission, Rajasthan — the programmes this post implements — राजस्थान सरकार (https://nhm.rajasthan.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

यही इस राह का सबसे बड़ा निर्णय है और उसे स्पष्ट रूप से कहा जाना चाहिए: सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं निजी मेडिकल कॉलेज के शुल्क में अंतर बहुत बड़ा है — सरकारी सीट पर एम.बी.बी.एस. का कुल शुल्क कुछ लाख में रहता है, जबकि निजी कॉलेज में वह कई गुना अधिक होता है और अनेक परिवारों के लिए ऋण का कारण बनता है। इसलिए नीट की तैयारी में लगाया गया एक अतिरिक्त वर्ष प्रायः निजी कॉलेज के शुल्क की तुलना में कहीं सस्ता पड़ता है, और यह गणना प्रवेश के समय ठीक से करनी चाहिए। राजस्थान में सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या पिछले वर्षों में बढ़ी है, जिससे सरकारी सीटें भी बढ़ी हैं। राज्य की छात्रवृत्तियाँ एवं अनुप्रति जैसी योजनाएँ इस राह पर लागू होती हैं। एक और व्यावहारिक बात: एम.बी.बी.एस. के बाद यह पद केवल एक विकल्प है — निजी अभ्यास, स्नातकोत्तर, केंद्र सरकार की सेवाएँ एवं अन्य राज्यों की भर्तियाँ सब खुली रहती हैं, इसलिए इस पद की प्रतीक्षा में आजीविका नहीं रुकती।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप-ज़िला एवं ज़िला चिकित्सालय। आरंभिक नियुक्ति प्रायः ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर होती है, जहाँ आवास केंद्र पर ही मिलता है और चिकित्सक को प्रायः वहीं रहना होता है।

कार्य-संस्कृति

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का चिकित्सा अधिकारी होना अकेलेपन एवं अत्यधिक उत्तरदायित्व दोनों का काम है। रोगियों की संख्या अधिक होती है, साधन सीमित, और विशेषज्ञ पास नहीं होता — इसलिए यह जानना कि स्वयं क्या सँभालना है और कब बिना देर किए संदर्भित करना है, इस पद का सबसे महत्त्वपूर्ण कौशल बन जाता है। घंटे नियमित नहीं रहते: प्रसव, दुर्घटना अथवा तीव्र प्रकरण रात में भी आते हैं, और केंद्र पर रहने का अर्थ प्रायः चौबीसों घंटे उपलब्ध रहना होता है। चिकित्सा के साथ प्रशासन भी इसी पद पर आता है — औषधि भंडार, कर्मचारी, अभिलेख, कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग — और वह चिकित्सा-शिक्षा का भाग नहीं होता, इसलिए आरंभ में कठिन लगता है। चिकित्सा-विधिक कार्य भी इसी में है, जो अपने साथ न्यायालय की उपस्थिति एवं दबाव लाता है। इसके बदले में जो मिलता है वह किसी और पद में कम मिलता है: एक ऐसे क्षेत्र में जहाँ आपके अतिरिक्त कोई एम.बी.बी.एस. चिकित्सक नहीं, आपका होना ही अंतर पैदा करता है, और वह अंतर रोज़ दिखाई देता है। बहुत से चिकित्सक इसी अनुभव को अपने करियर का सबसे सार्थक भाग बताते हैं, यद्यपि वह सबसे कठिन भी होता है।

कौन नौकरी देता है

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यक्रम एवं इकाइयाँ
- प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ज़िला चिकित्सालय
- चिकित्सा शिक्षा विभाग के संस्थान (अलग सेवा नियमावली)

माँग (2026)

राजस्थान में प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का जाल बड़ा है और उनमें चिकित्सा अधिकारी के पद स्वीकृत रहते हैं, इसलिए यह संवर्ग बड़ा एवं स्थायी है — इस पृष्ठ पर दिए अधिकांश पदों की तुलना में इसकी भर्तियाँ बड़ी होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रिक्तियाँ लगातार बनी रहती हैं, जो एक ओर अवसर है और दूसरी ओर उस काम की कठिनाई का संकेत भी। तैयारी की योजना बनाते समय दो बातें व्यावहारिक रूप से महत्त्वपूर्ण हैं। पहली, इस पद की भर्ती की व्यवस्था हर चक्र में एक जैसी नहीं रही है, इसलिए विज्ञप्ति ही एकमात्र भरोसेमंद स्रोत है — यह देखना आवश्यक है कि चयन प्रतियोगी परीक्षा से हो रहा है या किसी अन्य प्रक्रिया से। दूसरी, आयु-सीमा 45 वर्ष होने का अर्थ यह है कि यह पद स्नातकोत्तर अथवा निजी अभ्यास के बाद भी खुला रहता है — बहुत से चिकित्सक इसे पहले विकल्प के बजाय बाद के विकल्प के रूप में चुनते हैं, और नियम इसकी अनुमति देते हैं। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. चिकित्सा अधिकारी — प्रवेश का पद, 100% सीधी भर्ती, योग्यता एम.बी.बी.एस.
2. वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी — पदोन्नति से
3. प्रधान विशेषज्ञ / अतिरिक्त निदेशक स्तर के पद — नियमों में ये पद इसी संवर्ग की सीढ़ी पर हैं
4. सेवा में रहते हुए स्नातकोत्तर करने पर विशेषज्ञ के रूप में अलग मार्ग भी खुलता है

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹90,000 – ₹1,20,000 (भत्तों सहित, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹1,40,000 से अधिक (भत्तों सहित, विशेषज्ञ एवं प्रशासनिक स्तर पर)

1963 के सेवा नियमों में इस पद के लिए पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। वेतन से अलग तीन बातें व्यावहारिक रूप से महत्त्वपूर्ण हैं: प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रायः आवास मिलता है, ग्रामीण एवं कठिन क्षेत्र के भत्ते विभागीय नियमों के अनुसार अलग से मिलते हैं, और सेवा में रहते हुए स्नातकोत्तर करने के प्रावधान इस पद की एक बड़ी दीर्घकालिक विशेषता हैं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- योग्यता केवल एम.बी.बी.एस. — कोई अतिरिक्त शर्त अथवा अनुभव आवश्यक नहीं
- आयु-सीमा 45 वर्ष, इसलिए स्नातकोत्तर अथवा निजी अभ्यास के बाद भी यह द्वार खुला
- संवर्ग बड़ा है और भर्तियाँ अपेक्षाकृत बड़ी होती हैं
- सेवा में रहते हुए स्नातकोत्तर करने के प्रावधान
- काम का प्रभाव प्रत्यक्ष — विशेषकर वहाँ जहाँ आप एकमात्र चिकित्सक हैं

चुनौतियाँ

- आरंभिक नियुक्ति ग्रामीण केंद्र पर, प्रायः अकेले एवं सीमित साधनों के साथ
- घंटे अनियमित; केंद्र पर रहने का अर्थ प्रायः चौबीसों घंटे उपलब्धता
- चिकित्सा के साथ प्रशासन एवं चिकित्सा-विधिक कार्य भी, जो चिकित्सा-शिक्षा का भाग नहीं
- एम.बी.बी.एस. की लंबाई एवं निजी कॉलेज में उसका शुल्क
- भर्ती की व्यवस्था चक्र-दर-चक्र बदलती रही है, इसलिए योजना बनाना कठिन

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियम, 1963 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/2023120504515221449 98Medical1963_merged.pdf

2. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — https://rajswasthya.rajasthan.gov.in/

3. राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग — https://www.nmc.org.in/

4. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय — https://www.ruhsraj.org/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in